एम. ए. मैथिली पाठ्यक्रम

2008

मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र संकाय
त्रिभुवन विश्वविद्यालय
मैथिली केन्द्रीय विभाग
रा0 रा0 व0 क्याम्पस, जनकपुर धाम

N.K.

Faculty of Humanities &
Dean's Office

एम. ए. मैथिली

विषयगत् उद्देश्य

एहि पाठ्यांशक समष्टिगत अधोलिखित शैक्षिक एवं प्राज्ञिक योग्यता: सम्पन्न उच्च स्तरक जनशक्ति उत्पन्न करवे एकर उद्देश्य होएत :

1) मैथिली भाषा एवं साहित्यमे भेल अद्यपर्यन्त शोधसं उपलब्ध ज्ञानसं मण्डित करब।
2) छात्र लोकनिकँ कोनो नव परिस्थिति आ परिवेशमे सामंजस्य स्थापित करबाक लेल क्षमता प्रदान करब।
3) शिक्षा क्षेत्रमे गुणात्मक स्तरक विकास कए, देश विदेशक कोनो विश्वविद्यालयक उत्पादनसं श्रेष्ठ, योग्यतम जनशक्ति उत्पादन करब।
4) एहि विषयसं जीविकाक अवसर हस्तगत करबाक हेतु ज्ञान एवं कौशल प्रदान करब।

स्तरगत उद्देश्य

एहि पाठ्यक्रमद्वारा अध्येता लोकनिकें साहित्यकविकास क्रमक एकर विभिन्न युगीन रचनाशैली, युगीन रचना प्रवृत्ति, प्रमुख रचनाकार तथा हुनका लोकनिक कृतिक समीक्षात्मक ज्ञानसं मण्डित करब एहि पाठ्यक्रमक उद्देश्य हएत।

एहि पाठ्यक्रमद्वारा अध्येता लोकनिकें भाषा विज्ञानक सैद्धान्तिक पक्ष, भाषाक परिभाषा, उत्पत्ति, भाषिक वर्गीकरण, गठन एवं स्वरूपक अनुसार भाषाक विभाजन, ध्वनि नियम, भाषा परिवर्तनक कारण आदि पक्षक संगहि मैथिली भाषा एकर विभक्तिक वैलक्षण्य आदि आवश्यक अंशसं परिचय कराएव।

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र (समीक्षा शास्त्र) क अंग उपांगक तथा छन्द आ छन्दक प्रमुख भेदोपभेद सं सम्यक रूपें परिचित कराए काव्यक समीक्षात्मक क्षमता प्रदान करब।

पद्य साहित्यक तीनू विधा (महाकाव्य, खण्डकाव्य एवं मुक्तक) क प्रमुख रचना एवं रचनाकारक परिचयक संग समालोचनात्मक दक्षता प्रदान करब।

मैथिली नाटकक विकासक्रम, ओकर रचना प्रक्रिया ओकर अबहिक वैशिष्ट्य, रचना शैली एवं ओकर विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक क्षमताक अभिवृद्धि करब।

निबन्ध साहित्य एवं गल्प साहित्यकविकास क्रमक परिचय देबाक संगहि अध्येता लोकनिक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक कौशलकुं अभिवृद्धि करब हएत।

मैथिली उपन्यासक विकासक्रमक परिचयक परिचय देबाक संगहि एकर वैशिष्ट्यक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक शक्तिक विकास करब।

मैथिलीक कोनहु एक निर्धारित कवि, युग विशेष अथवा विषय विशेषक विस्तृत, गंभीर एवं व्यापक अध्ययन कराएव।

मैथिली लोक साहित्यकसमस्त उपलब्ध सामग्रीक अध्ययन कराए ओकर विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक कौशलकें अभिवृद्धि कराएव।

संस्कृत, प्राकृत एवं अवहठ् भाषामे रचित साहित्यक अध्ययन कराएब।
मैथिली साहित्यक विभिन्न विधासँ सम्बद्ध निबन्धक परिचय देव।

अथवा

लघुशोध
शोध प्रविधि सम्बन्धी आवश्यक ज्ञानसं परिचित कराएव, पश्चात् शोधकार्य करबाक हेतुएं आवश्यक भूमिका प्रस्तुत करब।

अथवा

विश्व साहित्य: निर्धारित भाषा साहित्यक अध्ययन कराए मैथिली भाषा साहित्यमे उक्त भाषा साहित्यक सर्वश्रेष्ठ, श्रेष्ठ रचनाक समकक्षीय साहित्य रचना करवाक लेल पृष्ठभूमिक निर्माण करब हएत।

पाठ्यक्रमक स्वरूप
एहि पाठ्यक्रममे 100/100 अंकक प्रत्येक पत्र हएत। पत्र संख्या 10 (दश) अछि आ समस्त पाठ्यांशक विभाजन निम्न रूपमे कएल गेल अछि

प्रथम वर्ष

पत्र	Code No.	विषय		पूर्णांक
I	Mai. 531	मैथिली साहित्यक इतिहास		100
II	Mai. 532	भाषा विज्ञान एवं मैथिली भाषा	अनिवार्य	100
III	Mai. 533	काव्य शास्त्र एवं समीक्षा सिद्धान्त		100
IV	Mai. 534	मैथिल पद्य साहित्य		100
V	Mai. 535	मैथिल नाट्य साहित्य		100

द्वितीय वर्ष				
VI	Mai. 536	मैथिली निबन्ध ओ गल्प साहित्य	अनिवार्य	100
VII	Mai. 537	मैथिली उपन्यास	,,	100
VIII	Mai.538-1	1) कवि विशेष (विद्यापति)	विशेष पत्र	100
	Mai.538-2	2) कवि विशेष (चन्दा झा)		
	Mai.538-3	3) युग विशेष (मल्लकालीन मैथिली साहित्य)		
	Mai.538-4	4) विषय विशेष (भाषा शास्त्र ओ मैथिली भाषा)		
IX	Mai.539	शोध प्रविधि	अनिवार्य	100
X	Mai.540-1	1) संस्कृत, प्राकृत ओ अवहट्ठ	ऐच्छिक	100
	Mai.540-2	2) मैथिली लोक साहित्य		
	Mai.540-3	3) विश्व साहित्य		
	Mai.540-4	4) मैथिली साहित्यिक निबन्ध		
	Mai.540-5	5) शोधपत्र		

परीक्षा प्रणाली एवं श्रेणी विभाजन

दूवर्षक एम.ए. मैथिली विषयमे प्रत्येक शैक्षिक सत्रक अन्तमे बार्षिक प्रणाली अनुसार त्रिभुवन विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा संचालन होयत। प्रत्येक वर्षके प्रत्येक पत्रक (Course) परीक्षामे न्युनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्तक उत्तीर्ण भेल विद्यार्थीके कुल प्राप्तांकक श्रेणी विभाजन निम्नअनुसार होयत।

75% अथवा ताहि सँ उपर - विशिष्ट श्रेणी
60% अथवा ताहि सँ उपर - प्रथम श्रेणी
50% अथवा ताहि सँ उपर - द्वितीय श्रेणी
40% अथवा ताहि सँ उपर - तृतीय श्रेणी

मैथिली साहित्यक इतिहास

Mai. 531

प्रथम पत्र

पूर्णांक: 100

पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) काल विभाजनक आधार, प्रयोजन एवं एहिसँ सम्बन्धित विभिन्न विद्वान लोकनिक विचार तथा ओकर समीक्षात्मक ज्ञान सँ परिचित कराओल जाएत

2) प्राचीन कालक उपलब्ध सामग्री एवं ओकर रचनाकार लोकनिक परिचय देल जाएत

3) विद्यापति युगक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक परिस्थिति, हुनक प्रमुख कृति तथा हुनक प्रभाव सँ परिचित कराओल जाएत

4) गोविन्द दास, लोचन, एवं मनबोधक रचना तथा ओकर पृष्ठभूमिसँ परिचित कराओल जाएत

5) नेपालमे रचित मध्यकालीन मैथिली रचना, बंगाल, आसाम तथा उड़ीसामे रचित साहित्यकपरिचयक संगहि मिथिलामे रचित कीर्त्तनियाँ नाटकक रचनाक पृष्ठभूमि, प्रसिद्ध कीर्तनियाँ नाट ओ नाटक लेखक लोकनिसँ परिचित कराओल जाएत

6) आधुनिक कालमे रचित गद्य एवं पद्यक रचनाक क्रम, ओकर स्वरूप एवं पृष्ठभूमि सँ अवगत कराओल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	काल विभाजन, काल विभाजनक आधार, प्रयोजन एवं तत्सम्बन्धी विभिन्न विद्वानलोकनिक विचार एवं ओकर विवेचन तथा समीक्षा	5
II	प्राचीन काल सिद्ध साहित्य एवं आदिकालीन मैथिली साहित्यकसमग्री, ज्योतिरीश्वर, हुनक काल, रचना, वर्ण रत्नाकरक नामकरण, साहित्यिक सामग्री एवं ओकर महत्व	10
III	मध्य काल (क) विद्यापतिक युग, हुनक कालक निर्धारण, युगक सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, हुनक प्रमुखकृति संस्कृत, प्राकृत, अवहट्ठ आ मैथिली, हिनक प्रभाव आ समकालीन अन्य कविलोकनिक परिचय	20
	(ख) गोविन्द दास, लोचन एवं मनबोधक कृतित्व एवं व्यक्तित्वक परिचय	20
	(ग) नेपालमे रचित मध्यकालीन नाटक एवं गीतक विवेचन,	

बंगाल, आसाम एवं उड़िसामे रचित वैष्णव साहित्यकपरिचय एवं मिथिलामे रचित कीर्तनियाँ नाटकक रचनाक पृष्ठभूमिक परिचय, प्रसिद्ध कीर्तनियॉ नाटककार एवं हुनका लोकनिक कृतिक परिचय 20

आधुनिककाल

(क)आधुनिक कालक प्रारंभ एवं एकर पृष्ठभूमिक परिचय, युग प्रवर्त्तक कवीश्वर चन्दा झा, पं. हर्षनाथ झा, लाल दास एवं अन्य साहित्यकारक कृतित्व एवं व्यक्तित्वक परिचय 13

(ख) मैथिली साहित्यकविकासमे पत्र पत्रिकाक योगदान 12

(ग) मैथिली गद्य रचनाक उद्भव आ विकास, गद्य रचनाक विभिन्न स्वरूप (कथा, उपन्यास, निबन्धा, नाटक, एकांकी एवं आलोचना साहित्य) क अध्ययन 15

(घ) पद्य साहित्यक विकास क्रमक परिचय, प्रमुख विधा- महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तक आदिक विवेचनात्मक एवं समीक्षात्मक परिचयक संगहि रचनाकार लोकनिक काव्यात्मक परिचय 15

(ड.) नेपालीय मैथिली साहित्यक आधुनिक कालक विविध चरण 20

संदर्भ सामग्रीक पुस्तक

1) झा, श्रीश, मैथिली साहित्यक इतिहास, नवीनतम संस्करण, भारती पुस्तक केन्द्र, दरभंगा

2) झा, दिनेश कुमार, मैथिली साहित्यकआलोचनात्मक इतिहास, मैथिली, अकादमी, पटना

3) मिश्र, जयकान्त, मैथिली साहित्यकइतिहास, साहित्य अकादमी, दिल्ली

4) सिंह, प्रफुल कुमार मौन, नेपालक मैथिली साहित्यकइतिहास, नै.मै.सा परिषद, विराटनगर

5) सिंह, प्रफुल कुमार मौन, नेपालक आधुनिक मैथिली साहित्यकइतिहास, जानकी प्रकाशन, पटना

6) झा, शैलेन्द्र मोहन, ब्रजबोली सहित्य, हिन्दी ग्रंथ अकादेमी, पटना

7) झा, ललितेश्वर, कविश्वर चन्दा झा, बुक इम्पोरियम, मधुबनी

8) A history of modern Maithili literature (Post independence period), Jha Devkant, Sahitya Academy, Delhi, 2004.

Faculty of Humanitie
Dean's

भाषा विज्ञान एवं मैथिली भाषा

Mai. 532

द्वितीय पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) भाषा विज्ञानक सैद्धान्तिक पक्ष, भाषाक परिभाषा, उत्पत्ति, भाषिक वर्गीकरण, ध्वनि नियम, भाषा परिवर्तनक कारण आदि सँ परिचित कराओल जाएत

2) मैथिली भाषा ओकर ध्वनि विचार, पद विचार, नाम विचार आख्यात विचार नाम साधनिका, तथा वाक्य विचार आदि सँ परिचित कराओल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I		30
	(क) भाषा आ भाषा विज्ञान	
	1) भाषाक परिभाषा आ भाषाक वैज्ञानिक अध्ययनक रूपमें भाषा विज्ञान	
	2) भाषा विज्ञान, भाषाक क्षेत्रीय भेद, मैथिलीक क्षेत्रीय भाषिका	
	3) समाज भाषा विज्ञान, भाषाक सामाजिक भेद, भाषा नीति आ योजना	
	4) भाषाक शैली आ प्रयोजनपरक भेद	
	5) लेखन पद्धतिक उद्‌भव आ विकास	
	6) भाषिक संचार प्रणाली	
	7) सांकेतिक भाषा	
	8) प्रायोगिक भाषा विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा शिक्षण, अनुवाद विज्ञान, कोश विज्ञान, कम्प्युटर भाषा विज्ञान तथा शैली विज्ञानक परिचय	
II	(ख) ध्वनि विज्ञान आ वर्ण विज्ञान	30
	1) ध्वनि अवयव आ ओकर कार्य	
	2) ध्वनिक परिचय आ विभाजन	
	3) लय, सुर, मात्रा आ वलाघातक परिचय	
	4) अन्तर्राष्ट्रीय ध्वनि तात्विक वर्णमाला	
	5) मानस्वरक परिचय	
	6) वर्ण विश्लेषण सिद्धान्त आ प्रक्रिया	
	7) मैथिलीक खंडीय तथा खण्डेत्तर वर्णक विश्लेषण	
	8) उत्पादक वर्ण विज्ञानक परिचय	

(ग) व्याकरण आ रूप विज्ञान 30

1) रूप विज्ञानक पृष्ठभूमि आ परम्परा
2) रूप विश्लेषण सिद्धान्त (संरचना, अर्थ आ परिवेशक आधार पर)
3) एकाई आ प्रक्रिया, एकाई आ समायोजन तथा एकाई आ रूपावली प्याराडाइम
4) धातु आ प्रातिपदिक
5) व्युत्पादन आ रूपायन
6) रूप विश्लेषण, प्रक्रिया तथा मैथिली रूप तत्वक विश्लेषण सम्बन्धी अभ्यास
7) व्याकरणात्मक धार
8) पदवर्ग आ तकर प्रकार्यक भूमिका
9) संस्कृत संधि सम्बन्धी अवधारणा (पूर्वरूप, पररूप, संख्याक्रम आ स्थानक्रम)
10) मैथिली संधि व्यवस्था

V (घ) व्याकरण: वाक्य विज्ञान 30

1) पदक्रम
2) समतलीय संरचना आ तहगत संरचना
3) अवशेष आ संचलन
4) व्याकरणात्मक प्रकार्य (उद्देश्य, विधेय, कर्म, पूरक आदि)
5) पदावलीक शीर्ष आ विशेषक
6) पदावलीक मूल प्रतिवन्धन
7) आश्रयक (क्म्पिलमेन्टाइजर)क परिचय
8) निकटघटक विश्लेषण- (क) घटकंक शाखाक परिचय आ अभ्यास (ख) घटकक अनुक्रम आ भंगक्रमक स्थिति
9) रूपान्तरण नियम
10) रूपान्तरण प्रक्रिया
11) मैथिली वाक्य संयोजन तथा वाक्य मिश्रण

V (ड.)अर्थ विज्ञान 30

1) अर्थ विज्ञानक क्षेत्र आ प्रकृति
2) अर्थक प्रकार
3) अर्थ सम्बन्धी सिद्धान्त
4) आर्थि अभिलक्षण
5) कारकीय अर्थ (कर्तृत्व उदासीन, प्राप्ति, साधन, स्रोत, लक्ष्य, आधार, हेतुत्व, भोकृत्व, वल, परिणति आदि)
6) प्रकरण विज्ञान

7) वाक्क्रिया सिद्धान्त

8) सम्वादात्मक तथा सह कार्यात्मक सिद्धान्त

संदर्भ सामग्रीक पुस्तक

1) Maithili – Some Aspects of Maithili Phonetics and Phonology – Jha, Dr. Sunil Kumar, Motilal Banarsi Dass, Delhi 2001, First Edition, Volume – XI.

2) A comparative study of the morphology of Nepali, Maithili and Hindi languages, By – Labh, Rajendra Bimal (unpublished Ph.D. Thesis)

3) Yadav, Dr. Ramawatar, Maithili phonetics – Maining Selden and Jamn, 1984.

4) Yadav, Dr. Ramawatar, Reference grammar of Maithili, Berlin, 1996.

5) झा, गोविन्द उच्चत्तर मैथिली व्याकरण, मै. अ. पटना, 1979

6) झा, गोविन्द, मैथिली भाषा का विकास, वि. ग्र. अ. पटना, 1974

7) मिश्र, धीरेन्द्र नाथ, मैथिली भाषा शास्त्र, भवानी प्रकाशन, 1986

8) तिवारी भोलानाथ, भाषा विज्ञान, किताव महल, इलाहावाद

9) जार्ज एब्राहम ग्रियसन, भारतक भाषा सर्वेक्षण (मैथिली), मै.अ. पटना, 1978

Faculty of Humanities & Social Sciences
Dean's Office

काव्य शास्त्र

533

तृतीय पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

यांशक उद्देश्य

वृहद् रूपें भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्रक संगहि पिंगल शास्त्रक स्वरूप सँ परिचित कराओल जाएत

काव्य शास्त्र (समीक्षा शास्त्र) क अंग-उपांगक परिचयक संगहि विश्लेषण एवं समीक्षा शक्ति प्रदान कएल जाएत

(क) प्राच्य (भारतीय) काव्य शास्त्र

(ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र

काइ

		पाठ घण्टा
	संस्कृत काव्य शास्त्र	40
1)	काव्यक परिभाषा	
2)	शब्द शक्ति	
3)	काव्य दोष	
4)	परम्परा	
5)	अलंकार सिद्धान्त	
6)	रीति सिद्धान्त	
7)	वक्रोक्ति सिद्धान्त	
8)	रस सिद्धान्त	
9)	ध्वनि सिद्धान्त	
II	पाश्चात्य समालोचना	40

पाश्चात्य समालोचना सिद्धान्तक पृष्ठभूमिगत अध्ययन-

पाश्चात्य दिग विभाजन-

(a) पाश्चात्य सभ्यताक विकासक मुख्य चरण

(b) पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा समालोचना पद्धतिक मुख्य-मुख्य युग एवं धारा

III विभिन्न वाद 40

1) संरचनावाद
2) उत्तर संरचनावाद एवं विनिर्माणवाद
3) परिष्कारवाद
4) स्वच्छन्दतावाद
5) नवपरिष्कारवाद
6) यथार्थवाद
7) प्रकृतिवाद

Faculty of Humaniti
Dean's

8) अतियथार्थवाद
9) बिम्बवाद
10) प्रभाववाद
11) घनत्ववाद
12) विसंगतिवाद
13) अस्तित्ववाद
14) उत्तरआधुनिकतावाद
15) नारीवाद
16) पाठकीय अनुक्रियापरक समालोचना

IV 30

एरिस्टोटल, कालरिज, क्रोचे, आइ. एस. रिचर्ड इलिएट, नव एरिस्टोटलवाद, वेलक आ वायरन एवं मैथिली समालोचना

संदर्भ सामग्रीक पुस्तक

1) संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र, नारंग, गोपीचन्द, अनुवादक- झा, ताराकान्त, प्र. साहित्य अकादेमी, दिल्ली, प्रथम संस्करण, 2006
2) अलंकार भास्कर, झा डा0 रमण, प्र. शंकर आभूषणालय, टावर चौक, दरभंगा, परिवर्द्धित सं. 2003
3) सहाय, हीरा, भारतीय आलोचना शास्त्र
4) झा सुरेन्द्र 'सुमन' अलंकार मालिका, मैथिल मंदिर दरभंगा, 1989
5) सुवेदी, हरी, पाश्चात्य काव्यशास्त्र , रा.प्र. प्रतिष्ठान, काठमाडौं
6) झा, सीताराम, अर्थालंकार एवं शब्दालंकार चौखम्भा, वाराणसी
7) झा, गोविन्द, छन्द शास्त्र, राज प्रेस, दरभंगा
8) राय गुलाव, काव्य के रूप, आत्माराम एण्ड सन्स प्रकाशन, दिल्ली
9) सिंह, जयधारी, काव्य मीमांसा, भाग 1, 2, राज प्रेस, दरभंगा
10) पाश्चात्य समालोचनाको सैद्धान्तिक परम्परा, भाग-2, ले0 डा0 त्रिपाठी वासुदेव, प्र0 साझा प्रकाशन, काठमाण्डौं, पाँचौ संस्करण 2065 साल।
11) भाटी, देशराज, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र, अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली, 1979

Social Science

मैथिली पद्य साहित्य

i. 534

चतुर्थ पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

यांशक उद्देश्य

) मैथिली महाकाव्यक विश्लेषणात्मक परिचयक संगहि समीक्षा शक्तिक अभिवृद्धि कएल जाएत

) मैथिली खण्ड काव्यक परिचयक संग विश्लेषणात्मक एवं समीक्षा कौशल में परिपक्कता आनवाक प्रयास कएल जाएत

) मैथिली मुक्तक साहित्यकपरिचयक संग संगहि विश्लेषणात्मक विवेचनात्मक प्रतिभामे निखार लएवाक प्रयास कएल जाएत संगहि नेपालक रचनाकार सँ परिचय कराओल जाएत

काइ

		पाठ घण्टा
	महाकाव्य	60
	1) मनबोध: कृष्णजन्म	
	2) तंत्रनाथ झा: कृष्णचरित्र	
	2) मार्कण्डेय प्रवासी: अगस्त्यायनी	
	3) कवीश्वर चन्दा झा: मिथिला भाषा रामायण (अयोध्या काण्ड)	
	4) डा0 धीरेन्द्र त्रिपुण्ड	
II	खण्ड काव्य	30
	1) लक्ष्मण शास्त्री : धर्मराज युधिष्ठिर	
	2) श्री मथुरा नन्द चौधरी "माथुर" : त्रिशूली	
III	मुक्तक काव्य	20
	सं. मिश्र एवं अन्य: मैथिली कविता संग्रह मै. अ. पटना	
	1) विद्यापति, पद संख्या 1,2,3,4,6,12,14, आ 17	
	2) गोविन्द दास, पद संख्या 1,2,3,4, आ 6	
	3) लोचन, पद संख्या: 1	
	4) जगज्ज्योतिर्मल्ल: सूर्यक नचारी एवं गणेशक नचारी	
	5) चन्दा झा: पद संख्या: तीन गाही मुक्तक (पाठ घ. 15)	
	6) सीताराम झा: सूक्ति सुधा	
	7) कविशेखर वदरीनाथ झा: संध्यावर्णन	
	8) भुवनेश्वर सिंह भुवन: युगवाणी (पाठ घ. 15)	
	9) मधुपजी: आत्मगीत	
	10) यात्रीजी: परमसत्य	
	11) राजकमल: महावन	
	12) नचिकेता गांधारी	

Faculty of Humanities & Social
Dean's Office
Kirtipur

13) मैथिली कविता संग्रह 10

डा0 धीरेन्द्र - कोनो रामायण

a. पं. सुन्दर झा शास्त्री- प्रभात गीत

b. राजेन्द्र विमल- जाधरि आ कहियाधरि ?

c. रामभरोस कापड़ि 'भ्रमर'- हमरा अपन घर चाही
- सलिवपर टांगल एक मुट्ठी इजोत

d. पं. सुरेश झा - उन्नत मिथिला आ हरवाह

e. भुवनेश्वर पाथेय - कनैत जिन्दगी विहुसैत परमाणु
- माछा - पुछरे: तीन चित्र

f. उपाध्याय भूषण- चिंतन: चौबटिया

g. हिमांशु चौधरी- त्राहिमाम
- कालिमा

h. अयोध्या नाथ चौधरी- मुद्दा एकटा अनुभूतिक

i. डा. रेवती रमण लाल- अहांक रूप

j. डा. सुरेन्द्र लाभ- सीताक पत्र रामक नाम

पाठ्यपुस्तक

(क) महाकाव्य:

1) मनबोध, कृष्णजन्म

2) झा, तंत्रनाथ, कृष्ण चरित, मै. अ. पटना

3) मार्कण्डेय प्रवासी, अगस्त्यायनी, मै. अ. पटना

4) झा, कवीश्वर चन्दा, मिथिला भाषा रामायण, मै.अ. पटना

5) धीरेन्द्र, त्रिपुण्ड, साधना प्रकाशन, मधुबनी

(ख) खण्ड काव्य

1) शास्त्री लक्ष्मण, धर्मराज युधिष्ठिर

2) माथुर मथुरानन्द चौधरी, त्रिशूली

(ग) मुक्तक

1) मिश्र आनन्द एवं अन्य (सं.), कविता संग्रह, मै. अ. पटना

2) कापड़ि रामभरोस भ्रमर एवं अन्य, प्र. ने. रा. प्र. प्रतिष्ठान, वर्ष 2053

3) चौधरी, हिमांशु: की भार साँठू, प्र. संस्करण मिथिला, वर्ष 2062

संदर्भ

1) झा, शिवशंकर कान्त, मै. महाकाव्यक उदभव ओ विकास, मै.अ. पटना

2) झा, भीमनाथ, परिचायिका, वैदेही पुस्तक भंडार, पटना

3) झा, सुरेश्वर, मैथिली काव्यक विकास, साहित्य अकादेमी, 1998

4) झा, पशुपति नाथ, मैथिली महाकाव्य में रस निरूपण (अ प्रकाशित) पी.एच.डी. शोध प्रबन्ध

झा, वासुकी नाथ, महाकाव्यक यात्रा में युगीन संदर्भ, चेतना समिति, पटना
झा, रमण (सं.), नवीन मैथिली कविता, भवानी प्रकाशन, पटना

मैथिली नाट्य साहित्य

535.

पंचम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

यांशक उद्देश्य,

मैथिलीनाटकक विकासक स्थिति ओकर वैशिष्ट्य एवं रचना शैली तथा नाटकीय तत्व सं परिचित कराओल जाएत

मैथिली नाटक एवं एकांकीक अध्ययनक संगहि दुहू विधाक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक शक्तिक अभिवृद्धि कराओल जाएत, निर्धारित नाटक एवं एकांकीक कथावस्तु, व्याख्या, सारांश, विश्लेषण, चरित्र चित्रण एवं समीक्षा कौशलक अभिवृद्धि कराओल जाएत

काइ

पाठ घण्टा

नाटक :

1) ले. उमापति उपाध्याय- पारिजात हरण 60
2) सं. सुरेन्द्र झा सुमन: राम दास झा रचित आनन्द विजयाभिधान (नाटिका)
3) सं. लेखनाथ मिश्र: जगत् प्रकाश मल्ल लिखित प्रभावतीहरण
4) भकाइत चाहक जिनगी: सुधांशु शेखर चौधरी
5) कापड़ि रामभरोस 'भ्रमर': महिषासुर मुर्दावाद एवं अन्य, प्र. सूरज प्रकाशन, जनकपुरधाम, 2054

II एकांकी : 30

1) जीवन संघर्ष, कर्ण, घटकक पराभव, शस्त्र ओ शास्त्र एवं ब्रह्मस्थान
2) नौटंकी चलि रहल अछि, प्रसाद डा. राजेन्द्र विमल- सं0 कापड़ि राम भरोस भ्रमर - आजुर (मैथिली भाषाक द्वैमासिक पत्रिका) वर्ष 3 अंक 6,7,8 जेठ, आषाढ़, साओन- 2048 साल।
3) आ बौधु बाजि उठल, कापड़ि राम भरोस भ्रमर- सं0 यादव डा0 योगेन्द्र प्रसाद एवं अन्य - प्र0 ने0रा0प्र0 प्रतिष्ठान, काठमाण्डौं, सयपत्री- वर्ष 4, मैथिली विशेषांक, 2055 साल।
4) बताह जनता- लाभ सुरेन्द्र, सं0 राम भरोस कापड़ि भ्रमर-आँजुर (द्वैमासिक), वर्ष 4, अंक 1,2 माघ, फागुन, 2048 साल।

पाठ्यपुस्तक

1) झा, राम दास, सुरेन्द्र झा (सं.) आनन्द विजयाभिधान, (नाटिका) मै. अ. पटना
2) मल्ल, जगत, प्रकाश, सं. लेखपाल मिश्र, प्रभावतीहरण, प्र. लेखनाथ मिश्र, (अरेरहाट) मधुबनी
3) चौधरी, सुधांशु शेखर, भफाइत चाहक चिनगी, शेखर प्रकाशन, पटना
4) झा, सुरेन्द्र, सुमन (सं.), एकांकी संग्रह, मै. अ. पटना
5) उमापति उपाध्याय : पारिजात हरण

संदर्भ सामग्री

1) मिश्र, जयमन्त, मैथिली नाटक पर संस्कृतक प्रभाव, मै. अ. पटना
2) झा, डा. पशुपतिनाथ, पारिजात हरण नाटक आ उमापति उपाध्याय, प्र. दुर्गासाहित्य भण्डार, वाराणसी, वि. सं. 2065
3) मिश्र, लेखनाथ, मैथिली नाटकक उद्‌भव ओ विकास, मै. अ. पटना
4) झा, प्रताप नारायण, मैथिली नाटकक उद्‌भव ओ विकास, मैथिली आकदमी, पटना
5) ओझा, दशरथ, नाट्यकला, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
6) दास, श्याम सुन्दर, रूपक रहस्य, इण्डियन प्रकाशन, इलाहावाद
7) चिरंजीव, एकांकी कला, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
8) Hudson, H. An Introduction to the English Literature

of Humanities & Social Sciences
Dean's Office
Kirtipur

मैथिली निबन्ध ओ गल्प साहित्य

i. 536

षष्ठ पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

ध्यांशक उद्देश्य

) मैथिली गद्य साहित्यकपरिचय, भेदोपभेद एवं शैली सं परिचित कराओल जाएत, निर्धारित निवन्ध: रचयिताक साहित्यिक परिचय

) निर्धारित निबन्धक शास्त्रीय विश्लेषण, व्याख्या एवं समीक्षा कौशल स अवगत कराओल जाएत

) निर्धारित गल्पकारलोकनिक साहित्यिक परिचय, निर्धारित गल्पक रचना तत्व, कथावस्तु विषयवस्तु, चरित्र चित्रण, व्याख्येय अंशक व्याख्या, साहित्यिक वैशिष्ट्य प्रतिपादन तथा समालोचनात्मक अध्ययन विधिक ज्ञान देल जाएत

इकाइ		पाठ घण्टा
	निबन्ध:	
	क) प्रबन्ध पारिजात सं	15
	1) ब्रजवोली: डा. शैलेन्द्र मोहन झा	
	2) कृष्ण जन्म: डा. नवीन चन्द्र मिश्र	
	3) समालोचना: सुधांशु शेखर चौधरी	
	4) मिथिलाक सांस्कृति परम्परा: डा. अमरेश पाठक	
II	1) हास्य रस: एक विवेचना: डा. कांचीनाथ झा किरण	15
	2) कवि कर्म: मुरलीधर झा	
	3) ज्योतिरीश्वर आ. मिथिला समाज: मणिपथ	
	4) साहित्य आ मनोविज्ञान: डा. विद्यापति ठाकुर	
III	(ख) निबन्ध संकलन सं	15
	1) वर्णना: जयोतिरीश्वर	
	2) साहित्यकमर्यादा: पुलकित लाल दास मधुर	
	3) भारतीय दर्शनक महत्त्व हरि मोहन झा	
	4) समीक्षा वृति: आ, रमानाथ झा	
	5) साहित्यमे राधा: डा. महेश्वरी सिंह महेश	
IV	1) आधुनिक मैथिली साहित्य पर अंगरेजीक प्रभाव: डा. जयकान्त मिश्रं	
	2) काव्य मे औचित्य: डा. जयमन्त मिश्र	
	3) नवताक सन्दर्भ परम्पराक स्थिति-श्री शेखंर	
	3) आधुनिक मैथिली कथा प्रेरक शत्ति तथा प्रवृति: श्रीमायानन्द मिश्र	

Faculty of Humanities & Social
Dean's Office
Kirtipur

V गल्प: (क) मैथिली कथा संग्रह सं

1) पांच पत्र, मधुरमनि, झगडा, सामाक पौती, मनुक, संतान, एवं मामी 25

2) अगुरवान, सांझक गाछ, मिझाइत दीप, पिता, घर देखि 25

3) थाहैत स्वप्न गल्प संग्रह सँ - समिधा एवं थाहैत स्वप्न

4) डा. धीरेन्द्र, लोहछल शेषनाग

5) राजेन्द्र प्रसाद विमल, महुआ तूबए दिन-राति

6) रामभरोस कापर 'भ्रमर', फलेश बैक

7) डा रेवती रमण लाल, कांट

8) उपाध्याय भूषण, सूर्यकला

9) भुवनेश्वर पाथेय, जीवन वृत्त

10) अयोध्या नाथ चौधरी, दू पत्र

11) रा.ना. सुधाकर, खण्डित लोक

12) डा. सुरेन्द्र लाभ, भागीक जायव कतय

पाठ्य पुस्तक

निबन्ध:

1) झा, चेतकर, झा, देवकान्त झा (सं) प्रबन्ध पारिजात, मै. अ. पटना, 1987

2) झा, शेलेन्द्र मोहन, शिव शंकर झा, तथा विद्यानाथ झा (सं), संकलन मेअ. पटना, 1988

गल्प साहित्य:

1) पाठक, अमरेश, मैथिली कथा संग्रह, मै. अ. पटना

2) मिश्र आशा, थाहैत स्वप्न, प्र. साहित्य मंदिर, लालवाग, दरभंगा, जनवरी 2005

3) मैथिली गद्य संग्रह, सं. धीरेन्द्र, रा. प्र. प्र.

4) कापड़ि रामभरोस 'भ्रमर', हुगली उपर बहैत गंगा, रामानन्द युवा क्लव, जनकपुर, 2065

5) नैमिकानन (कथा विशेषांक) सं. लाल डा. रेवती रमण, प्र. विविधा मैथिली मंच, 2062 वर्ष 3 अंक 1

संन्दर्भ सामग्री

1) मैथिली गद्यक विकास, सं. मोहन भरद्वाज, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

2) मैथिली कथाक विकास, सं. वासुकी नाथ झा, ससाहित्य अकादेमी दिल्ली, 2003

3) साहित्य समीक्षा, वैदेही प्रकाशन, भाग, 1,2

4) वासुकीनाथ, मैथिली साहित्यकरूपरेखा, भाग 1,2, चेतना समिति, पटना

) झा, भौमनाथ, परिचायिका
) देवी, कामाख्या, मैथिली कथाकार, साहित्य अकादमी दिल्ली

मैथिली उपन्यास

hi. 537

सप्तम् पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

यांशक उद्देश्य

) मैथिली गद्य साहित्यकविधा: उपन्यासक परिचय, भेदोपभेद एवं तत्त्वक विश्लेषण पद्धति सं परिचित कराओल जायत
) निर्धारित उपन्यास सबहिक समीक्षा कौशल सं परिचित कराओल जाएत
) निर्धारित उपन्यास सबहिक कथावस्तु, चरित्र चित्रण, अन्य प्रमुख तत्त्वक विश्लेषण एवं व्याख्येय सन्दर्भक व्याख्या विधि सं परिचित कराओल जाएत
) निर्धारित उपन्यास सबहिक विश्लेषणात्मक व्याख्या, समीक्षा, साहित्यिक वेशिष्ट्यक प्रतिपादन तथा समालोचनात्मक रीतिस अध्ययन करोओल जाएत

काइ

		पाठ घण्टा
I	दू पत्र: श्री उपेन्द्र झा व्यास	30
II	पृथ्वी पुत्र: ललित	30
III	ठुमुकि बहू कमला: डा धीरेन्द्र	30
IV	राजा पोखरि मे कतेक मछरी: प्रभास कुमार चौधारी	30
V.	महोदय मन्वन्तर: डा विद्यानाथ झा 'विदित'	30

ाठ्य पुस्तक

1) ललित, पृथ्वी पुत्र, मै. अ. पटना
2) झा व्यास, दू पत्र, साहित्यक अकादमी, दिल्ली
3) धीरेन्द्र, ठुमूकि बहू कमला, साधना प्रकाशन, लोहना (मधुबनी)
4) चौधरी, प्रभास कुमार, राजाक पोखरि मे कतेक, मछरी
5) झा डा. विद्यानाथ झा 'विदित', महोदय मन्वन्तर: प्रस्तुति प्रकाशन दुमका, झारखण्ड, वि.सं. 2065 साल

संदर्भ सामग्री

1) पाठक, अमरेश, मैथिली उपन्यासक आलोचनात्मक अधययन
2) झा, वासुकी नाथ, मैथिली साहित्यकरूपरेखा, (भाग 1,2 चेतना समिति, पटना
3) व्यास, विनोद शंकर, उपन्यास कला, हिन्दी मन्दिर, वाराणसी
4) साहित्य समीक्षा, भाग 1,2 वैदही प्रकाशन, मधुबनी

Faculty of Humanities

5) झा, भोलानाथ साहित्य विमर्श, मै. अ. पटना
6) झा, भीमनाथ, परिचायिका, भवानी प्रकाशन, पटना
7) Hudson, H. An Introduction to the English Leterature

1) विद्यापति (अध्ययन विशेष)
(विशिष्टी करण)

Mai. 538-1

अष्टम् पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा : 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

एहि पाठ्यांशक उद्देश्य अध्येता लोकनिकें विद्यापतिक सम्बन्ध मे गंभीर, व्यापक आऔर समीक्षात्मक ज्ञान सं मण्डित करव हएत

पाठ्यांशक विभाजन

I	संस्कृत भाषाक रचना	30
II	अवहठइ भाषाक रचना	30
III	मैथिली भाषा मे रचित पदावली.	90

एकाइ		पाठ घण्टा
I	विद्यापतिक परिचय जन्मभूमि, निवास, स्थान, वंश, संक्षिप्त जीवनी, वृत्ति, परिवार, रचना, उपाधि एवं किंवदन्ती	5
II	विद्यापतिक पांडित्य: विद्यापति आ इतिहास, आ भूगोल, आ पुराण, आ स्मृति आ नीति शास्त्र, आ कूटनीति, आ धर्म आ समाज सुधार, मैथिललोंकनिक गौरव, आ संस्कृत, एवं मैथिली	20
III	विद्यापति आ संस्कृत: पुरूष परीक्षा आ शैव सर्वस्वसार	10
IV	विद्यापति आ अवहठ्ठ: कीर्तिलता ओ कीर्तिपताका:	15
V	विद्यापति पदावली	40
VI	विद्यापति सिर्जनात्मक प्रतिभा: कवित्व शत्ति प्रसंगक किंवदन्ती, विद्यापति आ संस्कृत कवि, काव्यक श्रेणी मुत्तक, विद्यापति आ उपमा, तथा सौन्दर्य विद्यापतिक विरह: संयोग, भक्ति, ध्वनि, अलंकार, दृष्टिकूट तथा सूक्ति	25
VII	विद्यापतिक सम्प्रदाय: शक्ति, शैव, वैष्णव, स्मार्त, एकेश्वरवादी विचार धारा, रहस्यवाद एवं श्रृंगार आदिक समालोचनात्मक विवेचन	10
VIII	विद्यापतिक भाषा:	

(क) ध्वनि समूह: संस्कृत ध्वनि समूह, प्राकृत ध्वनि समूह, विद्यापतिक पदक ध्वनि समूह, ध्वनि परिवर्तन, स्वर व्यंजन परिवर्तन 15

(ख) स्वराघात: वैदिक स्वराघात, प्राकृतिक एवं आधुनिक स्वराधात: मैथिलीमे स्वराघात: अवहठ्ठ ओ मैथिलीक दोहा एवं पक्षक विश्लेषण 10

पाठ्य पुस्तक

1) झा, सुरेंद्र सुमन एवं अन्य, पुरूष परीक्ष, मै.अ. पटना
2) झा, रमानाथ (सं.) पुरूष परीक्षा, श्री रमेश्वर मैथिली चेयर, पटना, त्रि. वि. प्रकाशन, पटना
3) शैव सर्वस्वसार, प्र. मैं. अ. पटना
4) मिश्र, उमेश, कीर्तिलता, मै. सा. संस्कृरण (इलाहाबाद)
5) सक्सेना, वावूराम, कीर्तिलता, नागरी प्रचारिणी सभा, इलाहाबाद
6) झा, सुरेन्द्र सुमन, कीर्तिपताका, मैथिली प्रकाशन, दरभंगा
7) मिश्र उमेश, कीतिपताका, मै. सा. संस्करण, प्रयाग
8) विद्यापति पदावली, मै. सा. परिषद् दरभंगा
9) ठाकुर, शिवनन्दन, महाकवि विद्यापति, मै. अ. पटना
10) मित्र, मजुमदार, विद्यापति, हिन्दी राष्ट्रभाषा परिषद् पटना
11) विद्यापति पदावली, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

न्दर्भ सामग्री

1) झा, इन्द्रकान्त, लिखनावली, इन्द्रालय प्रकाशन, पटना
2) अरविन्द नारायण, विद्यापति युग और साहित्य, नेशनल पब्लिंशिंग हाउस, दिल्ली
3) सेन, सुकुमार, विद्यापति गोष्ठी रिसर्च सोसाइटी दरभंगा
4) बशिष्ठ, राम, गीतकार विद्यापति, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
5) मिश्र, विशेश्वर, विद्यापतिक काव्य साधना, ग्रंन्थालय, दरभंगा
6) सिंह, शिव प्रसाद, कीर्तिलता और अवहठ्ठ, हिन्दी प्रचारक समिति, वाराणसी
7) झा, शैलन्द्र मोहन, विद्यापति, मै. अ. पटना
8) झा, उमानाथ, विद्यापति गीत, साहित्य अकादमी, दिल्ली
9) मिथिला मिहिर, साप्ताहिक मै पत्रिका, पटना विद्यापति अंक विद्यापति विशेषग (1960 सं 1980 ई.)
10) गीत संचय, सं. रामदेव झा एवं मोहन भारद्वाज, साहित्य अकादेमी, दिल्ली, 1999

Faculty of Humanities

2) कवि विशेष: कवीश्वर चन्दा झा (अध्ययन विशेष)
(विशिष्टी करण)

Maith. 538-2

अष्टम् पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा : 150

पाठ्यांशक उदेश्य

एहि पाठ्यांशकद्वारा अध्येता लोकनिकेँ कवीश्वर चन्दा झाक समस्त उपलब्ध रचनावलीक अध्यापन सं कवि विषयक समग्र ज्ञान देल जाएत

एकाई		पाठ घण्टा
I	चन्दा झाक परिचय: वंश, वास स्थान, शिक्षाकाल, शिक्षाक विषय आश्रयदाता, काल, रचनाक दर्शन तथा अनुदानक परिचय	40
II	भक्ति पद: सूर्य, गणेश, इन्द्र आ शक्ति सं सम्बन्धित रचना	40
III	कृष्ण सम्बन्धी (गीत) पद	20
IV	उमा, महेश्वर, शिव शरणागति, गंगास्तुति, आ मिथिला महिमा	30
V	वाताह्वान.	20

पाठ्य पुस्तक

1) झा, चन्दा, मिथिला भाषा रामयण, सं. श्री शशिनाथ प्र. राजप्रेस, दरभंगा र मै. अ.
2) मिश्र, विशेशवर, महेशवाणी संग्रह, मैथिली बुक इम्पोरियम, मधुबनी
3) झा, सुरेन्द्र सुमन, पुरूष परीक्षाक अनुवाद, मै. अ. पटना
4) मिश्र, विशेश्वर, चन्द्र पदावली, मै. अ. पटना
५) झा, रमानाथ, चन्द्र पदावली, मैथिली बुक इम्पोरियम, मधुबनी

सन्दर्भ सामग्री

1) झा, शशिनाथ, मिथिला रामायण, गुटका संस्करण, राज प्रेस, दरभंगा
2) झा, रमानाथ, महेशवाणी संग्रह मै. वि. इम्पोरियम, मधुबनी
3) झा, सुरेन्द्र सुमन, पुरूष परीक्षक अनुवाद मै. अ. पटना
4) मिश्र, वलदेव कवीश्वर चन्दा झा,
5) झा, ललितेश्वर, कविवर चन्दा झा, मै. वु.इ. मधुबनी
6) झा, रमानाथ, प्रबन्ध संग्रह, अनन्त प्रकाशन, दरभंगा
7) " " , निवन्ध संग्रह, अनन्त प्रकाशन, राजकुमार गंज, दरभंगा
8) मिश्र, विशेश्वर, चन्दा झाक कृतिक एवं व्यक्तित्व गोविन्द शोध संस्थान, मधुबनी
9) झा, अमरनाथ, चन्दा झा आ हुनक रामायण,
10) युग प्रवर्तक, कविश्वर चन्दा झा, सं. रामलोचन ठाकुर, अन्तर्राष्ट्रीय मैथिली सम्मेलन, नई दिल्ली, 2007

11) चन्दा झा ओ लालदासक रामायणक तुलनात्मक अध्ययन, मुरलीधर झा, मिथिला रिसर्च सोसाइटी, लहेरियासराय, 2006

3) युग विशेष: मल्लकालीन मैथिली साहित्य (अध्ययन विशेष)
(विशिष्टी करण)

Mai. 538-3

अष्टम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) मैथिली साहित्यकविकास मे मल्ल कालीन साहित्यकयोगदान सं परिचित कराओल जाएत
2) मल्ल कालमे रचित अधिकतम पद्य साहित्य एवं नाट्य रचना सं परिचय कराओल जायत, निर्धारित रचना ओ रचनाकारक ऐतिहासिक एवं साहितियक परिचय देल जाएत
3) आओर निर्धारित रचना सबहिक साहित्यिक मूल्य, मान्यता, सारांश, व्याख्या एवं समीक्षात्मक ज्ञानद्वारा अभिव्यजना कौशल मे चमत्कार आनल जाएत

इकाई		पाठ घण्टा
I	मल्लकालीन साहित्यकगतिविधा, तात्कालीन नेपाल उपत्यकाक सांस्कृतिक स्वरूप अध्ययन	25
II	मल्ल राजा लोकनिकद्वारा सर्जित अप्रकाशित साहित्यिक सामग्रीक अन्वेशण ओ सम्पादन	25
III	मैथिली अभिलेखगीत माला, सिद्व: नरसिंह मल्ल गीत संग्रह, गीत पंचाशिका एवं नानार्थगीत संग्रह, आदि रचनाक समीक्षात्मक अध्ययन	50
IV	हर गौरी विवाह ओ प्रभावतीहरण नाटकक समीक्षात्मक अध्ययन	25
V	विद्या विलाप ओ हरिश्चन्द्र नृत्यम्: नाटकक समालोचनात्मक अध्ययन	25

पाठ्य पुस्तक

1) झा, रामदेव(सं.) जगज्ज्योतिर्मल्ल, हरगौरी विवाह, रिसर्च सोसाइटी, दरभंगा
2) मिश्र, लेखनाथ (सं), जगत प्रकाश मल्ल,प्रभावती हरण, पटना
3) झा, रमानाथ, भाषागीत संग्रइ, पटना विश्वविद्यालय, पटना
4) मिश्र, जयमन्त, अभिलेखगीत माला, मै. अ. पटना
5) " " विद्यविलाप

6) " " हरिश्चन्द्र नत्यम्

7) झा, शैलेन्द्र मोहन, सिद्ध नरसिंह मल्ल,

सन्दर्भ सामग्री

1) सिंह,प्रफल्ल कुमार मौन, नेपालक मैथिली साहित्यकइतिहास,, अखिल नेपाल मैथिली साहित्य परषिद, विराटनगर

2) झा, रमानाथ, अभिनन्दन ग्रंथ, अनन्त प्रकाशन, दरभंगा

3) झा, उमानाथ, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, चेतना समिति, पटना

4) झा, सुन्दर शास्त्री, नानार्थगीत, संग्रह, फूलपात विशेषज्ञ, (काठमाडौ)

5) ज्ञवाली, सूर्य वित्रम, मधयकालीन उपत्यका को इतिहास, साझा प्रकाशन, काठमाडौ

6) झा, रामदेव, जगज्जयोतिर्मल्ल, सा. अ. दिल्ली, 1998

Faculty of Humanities & Social Sciences
Dean's Office
Kirtipur

4) विषय विशेष (भाषा शास्त्र ओ मैथिली भाषा
(अध्ययन विशेष)
(विशिष्टी करण)

Mai 538-4

अष्टम् पत्र
पूर्णांक :100
पाठ घण्टा : 150

पाठ्याशक उद्देश्य

1) भाषा शास्त्रक उत्पत्तिक सिद्धान्त सं परिचित कराओल जाएत
2) भाषाक परिवर्तनशीलता, ओकर कारण, भाषाक वर्गीकरण, वर्गीकरणक आधार आकृति मूलक वर्गीकरण, पारिवारिक वर्गीकरण आदि सं परिचित कराओल जाएत
3.) भारोपीय परिवारक अन्तर्गत भारतीय आर्यभाषा, ताहि अन्तर्गत मिथिलांचलीय मैथिली भाषा सं परिचित कराओल जाएत
4) भाषा शास्त्रक इतिहास, अर्थ विज्ञान, अर्थ परिवर्तन, ध्वनि विज्ञान, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन ओ ध्वनि यंत्र एवं श्रवण, आदिक परिचय देल जाएत
5) मैथिली स्वनिम वर्णन, लिपिवद्ध स्वन, ओकर प्रतीक रचननिम स्वनक विशेषता, स्वनिमक रचना, आधात (Streess) मात्रा संतुलन अपूर्ण उच्चारण वर्तनीक समस्या, आ मैथिली लिपिक ज्ञान कराओल जाएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	भाषाक परिभाषा, प्रकृति, विशेषता ओ प्रवृति, भाषाक विविध रूप भाषा एवं बोली, भाषोत्पत्तिक सिद्धान्त, भाषाक परिवर्तन शीलता आ ओकर कारण	15
II	भाषाक वर्गीकरण आधारि, पारिवारिक वर्गीकरण आकृति मूलक वर्गीकरण, भारोपीय भाषाक वर्गीकरण, आर्यभाषा एवं मैथिली	15
III	मैथिली ओ पूर्वाचलीय भाषा मे सम्बन्ध, मैथिली, एवं वंगला मैथिली एवं असमिया, मैथिली, एवं मगही, मैथिली एवं नेपाली मैथिली, मिथिलांचक भाषा हिन्दी अथवा अन्य कोनहु भाषाक बोली अथवा उपभाषा नहि	15
IV	भाषा शास्त्रक परिभाषा ओ उपयोगिता, भाषा शास्त्रक इतिहास अर्थ विज्ञान, अर्थ विज्ञानक परिभाषा अर्थक प्रतीति अर्थ बोधक, साधन, ओ अर्थ परिवर्तन, ध्वनि विज्ञानक स्वरूप ओ उपयोगिता, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन ओ तकर कारण ध्वनि यंत्र एवं श्रवण	20
V	स्वनिमक वर्णन, लिपिवद्ध ओकर प्रतीक, स्वन वर्णमाला,	20

Faculty of Humanities &
Dean's Off

	अनुसार वर्णन, स्वनक भाषा वैज्ञानिक वर्गा, [illegible]: स्वर्निम आ उप स्वन, स्वनिमक विशेषता सानुनासिकता, मात्रा, ह्रस्व, स्वर विभिन्न स्वनक उच्चारण वैशिष्ट्य, स्वनिमक अभिरचना, स्वर-गुच्छ, व्यंजन गुच्छ, एवं स्वर भक्ति	
VI	आघात ओ मात्रा संतुलन: मात्रात्मक आघात, बलात्मक आघात, द्वितीय आधार, शेष ह्रस्वता नियम, मात्रात्मक अभिरचना, दू दीर्घ स्वरक अस्तित्व, उपांत्य, इ, ओ, उ, अपूर्ण अथवा शिथिल उच्चारण स्वर लोप, स्वर संकोच अपनिहित वर्त्तनीक समस्या मैथिली लिपि	20
VII	शब्द सम्पदा, आर्य भाषा मूलक शब्द आ ओकर विकासक विभिन्न प्रकार, तत्सम अर्द्ध तत्सम, तद्भाव ओ नवीन शब्द आगमनक अन्यान्य स्रोत, देशी शब्द विदेशी शब्द, साधित शब्द, कृदन्त शब्द, तद्वितांत शब्द ओ सामासिक शब्द एवं नामक तीन कोटि	20
VIII	पद विज्ञान स्वरूप ओ परिभाषा, पद (रूप) क व्याख्या पद परिवर्तन कारण, परिवर्तनक दिशा, वाक्य विज्ञान एकर विषय, प्रकार तात्विक परिभाषा, वाक्य विभाजन, वाक्य प्रकार ओ वाक्य परिवर्तन, व्युत्पति विज्ञान एकर परिभाषा ओ नियम, मैथिली शब्दक व्युत्पति ओ एकर ऐतिहासिक महत्त्व	25

पाठ्य पुस्तक

1) मिश्र, धीरेन्द्र नाथ, मैथिली भाषा शास्त्र, भवानी प्रकाशन, पटना
2) झा, गोविन्द, मैथिली भाषाक विकास, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
3) " " मैथिलीक उद्भव ओ विकास, मैथिली प्रकाशन, समिति, कलकता

सन्दर्भ सामग्री

1) Aber, Crombne D., Elements of General Phonetics, Fidinburgh, Uni. Press, 1967.
2) Cat, ford J.C., Fundamental Problems in Phonoeitcs 1977,
3) Crystal, Linguistes, London, penguin Press.1971.
4) Lyons, J., Introduction to the Theoritical Linguistics, Cambridge Cup, 1968.
5) Yadav, R., Maithili Phonitics & Phonology, Ming Sildom Timn,1984
6) " " A Reference Grammar of Maithili , Mautound, Gonata.

ial Sciences

शोध प्रविधि

Mai. 539

नवम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) शोध प्रविधि सम्बन्धी आवश्यक तत्त्व सं परिचय कराओल जाएत, शोध प्रवृत्ति जाग्रत कए शोध कार्य करबाक प्राविधिक आधार प्रदान कएल जाएत

2) अन्वेषणात्मक बुद्धि जागरण कएल जाएत

पाठ्यांश विभाजन

क) सैद्धान्तिक ख) प्राविधिक

एकाइ

		पाठ घण्टा
I	1) शोधक सामान्य परिचय, परिचर्चा एवं उपयोगिता	10
	2) शोध विधिक सामान्य (आगमनात्मक, निगमनात्मक, वर्णनात्मक एवं ऐतिहासिक)	15
	3) शोध प्रस्ताव: विषयगत शीर्षक चयन, समस्याक उपस्थापनए पूर्व कल्पना, उद्देश्य, पूर्व कार्य (कृति) क समीक्षा, औचित्य, शोध विधि, शोध कार्यक प्रारूप	25
	4) सामग्रीक संकलन: प्राथमिक एवं प्रधान वस्तु, पुस्तकालय अध्ययन, सर्वेक्षण, प्रश्नावली, अन्तर्वार्ता, एवं अन्य क्षेत्रीय कार्य	25
	5) सामग्रीक अध्ययन एवं विश्लेषण तथा सामान्यीकरण निष्कर्षीकरण	35
II	शोधक स्वरूपक परिचय:	
	1) शोधपत्रक आ, मूल पाठ, अध्याय, परिच्छेद, शीर्षक तथा उपशीर्षक	30
	2) लेखन, टंकन, प्रस्तुति, मसौद लेखन, परिष्करण, पुनश्च टंकन, मिलान, संशोधान तथा गत्ता लगाएव	10

सन्दर्भ सामग्री

1) बन्धु, चूड़ामणि, अनुसंधानको रूप र शैली, पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, त्रि. वि. कीर्तिपुर

2) त्रिपाठी, वासुदेव, अनुसंधान प्रक्रिया: एक छलफल (लिथो), मा.सा.शा. त्रि.वि. कीर्तिपुर

3) शर्मा, मोहनराज, खगेन्द्र लुइटेल (सं.) शोध विधि, साझा प्रकाशन, काठमाडौं

4) झा, डा. रमण: भिन्न-अभिन्न, सुमन प्रकाशन, हटाढ़ रूपौली, मधुबनी, प्र. सं. 2008 ई0

1) संस्कृत, प्राकृत एवं अवहठ
(ऐच्छिक)

Mai. 540–1

दशम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) संस्कृत भाषामें रचित साहित्यकनिर्धारित पुस्तकक अध्ययन कराओल जाएत, महाराष्ट्रीय प्राकृत भाषामे रचित श्री राजशेखर प्रणीत कर्पूर मंजरी: नामक सट्ठकक अध्ययन कराओल जाएत
2) मिथिला आधुनिक अपभ्रंश बनाम अवहठ भाषामे लिखित महाकवि विद्यापति रचित कीर्तिलता काव्यक अध्ययन कराओल जाएत
3) उपर्युक्त तीनू भाषाक निर्धारित रचनाक सारांश, व्याख्या एवं समालोचना आदिक समीक्षात्मक विधिसं परिचित कराओल जाएत
4) मैथिली भाषा प्रधानत: संस्कृतक विकास क्रम प्रत्येक स्थितिक प्रभावसं विकसित भाषा अछि, कतोक आसकय प्राचीन रचनाक सम्यक विश्लेषणक हेतु उपर्युक्त भाषा सवहिक साहित्य सं परिचित हएव अति आवश्यक ओहि प्रत्येक प्रभाव सं सेहो परिचित कराओल जाएत

संस्कृत प्राकृत एवं अवहठ पाठ्यांशक विभाजन

क) संस्कृत:
   1) श्री भास रचित: स्वप्न वासददत्तम (नाटक) चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी (अंकभार 50)
   2) कालिदास: मेघदूत (पूर्व मेघ आ उत्तर मेघ), अनुवादक पं. सूर्य कान्त झा, प्र0ने0 मै0 सा0 परिषद, जनकपुर धाम, वि0सं0 2054

ख) प्राकृत : यायावर, राजशेखर कर्पूरमंजरी (सट्टक) मास्टर खेलाड़ी लाल एण्ड सन्स, वाराणसी (अंकभार 25)

(ग) अवहट्ठ: विद्यापति: कीर्तिलता, सं. सुरेन्द्र झा, सुमन: दरभंगा (अंकभार 25)

एकाइ		पाठ घण्टा
I	संस्कृतक महाकाव्य एवं नाटकक सामान्य, ऐतिहासिक एवं शास्त्रीय परिचय, कालिदास एवं भासक ऐतिहासिक एवं साहित्यक परिचय रघुवंश (II सर्ग), एवं स्वप्न वासवदत्ताक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक अधययन, कथावस्तूक सारांश, व्याख्या तथा समीक्षा	50

II	प्राकृत:	राजशेखरक वैयक्तिक एवं साहित्यिक परिचय, कर्पूर मंजरीक विश्लेषणात्मक एवं समीक्षात्मक अध्ययन, सारांश, व्याख्या, समालोचना एवं रस आदिक ज्ञान	50
III	अवहठ्	विद्यापतिक साहित्यक परिचय, कीर्तिलताक विश्लेषण एवं शास्त्रीय समीक्षा कथानक, चरित्र चित्रण रस, सूक्ति: नीति-वाक्य, तात्कालीन समाजक सामाजिक राजनैतिक, धार्मिक, तथा आर्थिक स्थिति स्पष्ट विश्लेषण	50

पाठ्य पुंस्तक

1) संस्कृत: कालिदास, मेघदूत (पूर्व मेघ, उत्तर मेघ)- अनुवादक पं. श्री सूर्यकान्त झा
श्री भास, स्वप्नवासवदत्तम्,
2) प्राकृत: श्री राजशेखर, कपूर मंजरी (सट्टक)
3) अवहठ्: विद्यापतिक कीर्त्तिलता

सन्दर्भ सामग्री

1) उपाध्याय, वलदेव, संस्कृत साहित्यकइतिहास,द चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी
2) वररूचि, प्राकृत प्रकाश
3) झा राजेश्वर, अवहठ भाषाक इतिहास, श्री अमरनाथ झा, सहर्षा
4) शर्मा, जगन्नाथ राय, अपभ्रंश दर्पण
5) सिंह, शिव प्रसाद, कीर्त्तिलता, हिन्दी प्रचारक समिति, वाराणसी
6) अग्रवाल, वासुदेव शरण, कीर्त्तिलता, नेशनल बुक पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7) जैन, जगदीश, प्राकृत साहित्य का इतिहास, नेशनल बुक पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

Faculty of Humanities & Social Sciences

2) मैथिली लोक साहित्य
(ऐच्छिक)

Mai. 540-2

दशम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) लोक साहित्यसैद्धान्तिक विवेचन एवं विश्लेषण पक्ष स अवगत कराओल जाएत, मिथिला एवं मैथिल लोक जीवनक विस्तृत आयाम सं परिचित कराओल जाएत
2) मैथिली लोकगीत: धार्मिक गीत, संस्कार गीत, ऋतु गीत, व्यवहारगीत, व्यवसाय गीत, शिशुगीत, एवं अन्य विविधा गीतक अध्ययन कराओल जाएत
3) लोकगीत मे मिथिलाक जीवन एवं लोकगीत मे वर्णित नारी जीवन तथा प्रकृति चित्रण सं परिचित कराओल जाएत
4) मैथिलीक लोक नाट्य साहित्यकपरम्परा, वर्गीकरण, विशेषता, निर्धारित लोक नाट्यक कथावस्तु, पात्र, संवाद योजना, गीत, प्रहसन, एवं रंगमंच, अभिनय, रूप्योजना, भाषा, शैली आदि पक्ष सं परिचित कराओल जाएत
5) लोक गीतक भाषा, शैली, भाव ओ रस, अलंकार योजना छन्उ योजना, लोक गीतक महत्व आ विलक्षणता सं परिचित कराओल जाएत
6) मिथिलाक अन्य विविध साहित्य: लोकोक्ति, मोहावरा (व ग्धारा), कहबी, बुझौअलि, फकड़ा आदि

एकाइ		पाठ घण्टा
I	लोक साहित्यकसैद्धान्तिक विवेचन, लोक साहित्य, लोकगीत, लोक कथा लोक नाट्य, लोकोक्ति आदिक सर्जन प्रणाली क्षेत्र, विस्तार एवं उपादेयता आदि	20
II	मिथिला आ एकर लोक जीवन, वर्ण व्यवस्था, व्यवसाय, भेशभूषा, खानपीन ओकर अलंकरण, धार्मिक दर्शन, सम्प्रदाय ओ साधना अन्ध विश्वास, तंत्रमंत्र, टोनाटापर, प्रमुख पावनि तिहार, मैथिल लोकसाहित्यकपरिचय तथा शिष्ट साहित्य पर एकरा सवहिक प्रभाव वर्णन एवं विश्लेषण	20
III	मैथिल लोकगीत एंकर परम्परा, वर्गीकरण धार्मिक गीत, संस्कार गीत, ऋतु गीत, पावनि तिहार-सं सम्बद्ध गीत, व्यवसायगीत, शिशुगीत, प्रबन्धात्मक गीत, झिझिया गीत, झरनी गीत, झुमरि गीत आदि	20

IV	लोकगीतमे मिथिलाक जीवन, लोकगीतमे चित्रितनारी, लोकगीतमे चित्रित प्रकृति वित्रण, लोकगीत आ साधारणीकरण लोक गीतक भाव ओ रस	20
V	लोकगीतमे अलंकार योजना, भाषा: शैली, छन्द: योजना, आ महत्व ओ एकर विशेषता	20
VI	मैथिली लोककथाक परम्परा ओ परिचय, वर्गीकरण, लोक कथाक उपकरण, लोक कथाक सामान्य विशेषता, एकर शिल्प विधान, अभिप्राय ओ पात्र योजना आदिक विश्लेषण	20
VII	लोक नाट्य: परिचय, परम्परा, वर्गीकरण, विशेषता, एहि क्षेत्रक प्रमुख नाट्य- जट:-जटिन, सामा:- चकेवा, नैनायोगिन, विदेशिया, हिरनी:- विरनी, रामलीला, गोपीचन्द, राजा सल्हेस, नैका वनिजारा, दीना भद्री, बालकथा आदि	20
VIII	मिथिलाक विविधा लोक साहित्य, मोहावरा, कहवी, बुझौवलि, फकड़ा एवं लोक मंच	10

पाठ्य पुस्तक

1) आनंद, विभूति, एक गो रहथि राजा, विभूति प्रकाशन, पटना
2) " " गोनू झा, उर्वशी प्रकाशन, पटना
3) झा, राजेश्वर, एकादशी, पू. श्री अमरनाथ रसुआर सहर्ष
4) देवी, कामाख्यमा, संस्कारगीत, मै. अ. पटना
5) आनन्द, विभूति, गीतनाद
6) सिंह प्रफुल्ल कुमार मौन, मैथिली नेनागीत संग्रह, मै. अ. पटना
7) मैथिली लोकसाहित्यक स्वरूप, डा रेवती रमण लाल, सीता मीडिया प्रा.लि., 2065
8) लोक नाट्य, जट-जटीन, रामभरोस कापर 'भ्रमर', अभिनय प्रकाशन, पटना

संदर्भ ग्रन्थ

1) मैथिली लोक साहित्य का अध्ययन, डा ताराकान्त मिश्र, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, 2007
2) मैथिली लोकगाथा विवेचन, डा विश्वेश्वर मिश्र, मै. अ. पटना, 2007
3) मिथिलाक सांस्कृतिक परम्परा, डा रेवती रमण लाल, रमानन्द युवा क्लव, जनकपुर, 2065 सारल,

Faculty of Humanities & Social Sciences

३) विश्व साहित्य

(ऐच्छिक)

Mai. 540–3

दशम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) अंग्रेजी भाषा साहित्यकविकासक्रम तथा साहित्यकविभिन्न विधाक संक्षिप्त ज्ञान देल जाएत

2) हिन्दी साहित्य विकासक्रमक संगहि एकर विभिन्न विधाक ज्ञान संक्षिप्तमे कराओल जाएत, नेपाली साहित्यकविविकासक्रम, वर्तमान स्थिति ओ विभिन्न विधाक सार तत्वसं परिचित कराओल जाएत

3) संस्कृत भाषा साहित्यकविकासक्रम, महत्वपूर्ण विभिन्न विधाक, साहित्यकज्ञानक सार सं परिचित कराओल जाएत।

एकाइ		पाठ घण्टा
I	आधुनिक अंग्रेजी भाषाक प्रकृतिओ वैशिष्ट्य, आधुनिक साहित्यकविभिन्न विधाक संक्षिप्त इतिहास, पूर्व ओ वर्त्तमान स्वरूप, प्रकृति ओ धारा, प्रतिनिधि कृति ओ कृतिकारक परिचय	40
II	आधुनिक हिन्दी भाषाक प्रकृति ओ विलक्षणता, आधुनिक हिन्दीक विभिन्न विधाक संक्षिप्त इतिहास, पूर्व ओ वर्तमान स्वरूपक, प्रकृति ओ धारा, प्रतिनिधि कृति ओ कृतिकार लोकनिक ऐतिहासिक ओ साहित्यक परिचय	35
III	आधुनिक नेपाली भाषाक प्रकृति ओ वेशिष्ट्य, आधुनिक नेपाली साहित्यकविभिन्न विधाक इतिहास, पूर्व ओ वर्त्तमान स्वरूप, मुख्य रचना प्रवृत्ति ओ धारा, प्रतिनिधि रचना ओ रचनाकारक ऐतिहासिक ओ साहित्यिक परिचय	35
IV	संस्कृत भाषा साहित्यकप्रकृति ओ वैलक्षण्य संस्कृत साहित्यकविभिन्न विधाक इतिहास, प्रकृति ओ धारा, प्रतिनिधि रचना ओ रचनाकारक ऐतिहासिक ओ साहित्यिक परिचय	40

पाठ्य पुस्तक

1) Hudson, H. An Out Line of English Literature
2) सं. मण्डल, विश्व साहित्य, राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान, कमलादी, काठमाडौ
3) उपाध्याय बलदेव, संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी
4) शर्मा, तारानाथ, नेपाली साहित्यको इतिहास, साझा प्रकाशन, काठमाडौ

5) द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी प्रचारक समिति, वाराणसी

4) मैथिली साहित्यिक निबन्ध
(ऐच्छिक)

Mai. 540–4

दशम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

पाठ्यांशक उद्देश्य

1) एहि पाठ्यांशद्वारा अध्येता लोकनिक मैथिली साहित्यकविभिन्न विधा सं सम्बन्धित नैबन्धिक प्रतिभाक प्रस्फुटनक परिचय देवाक हएतनि
2) अध्येता लोकनिकें निबन्धा लेखन प्रवृत्ति एवं शक्तिक ज्ञान देव हएत

एकाइ		पाठ घण्टा
I	कथा साहित्य: उपन्यास तथा कथा	35
II	रूपक साहित्य: नाटक एकांकी तथा सट्टक	30
III	कविता, महाकाव्य, खण्ड काव्य आ चम्पू साहित्स सं सम्बद्ध	40
IV	लोक साहित्य ओ पत्र पत्रिका	30
V	समालोचना साहित्य	15

सन्दर्भ सामग्री

1) झा, रमानाथ, अभिनन्दन ग्रन्थ, प्र. समिति दरभंगा
2) सिंह, आरसी प्रसाद, अभिनन्दन ग्रन्थ, प्रकाशन समिति, हरौत (समस्तीपुर)

पुनश्चः अन्य पत्रमा उल्लिखित पुस्तकहरू समेत यस पत्रमा समावेशित गर्न सकिन्छ

5) शोधपत्र
(ऐच्छिक)

Mai. 540–5

दशम पत्र
पूर्णांक: 100
पाठ घण्टा: 150

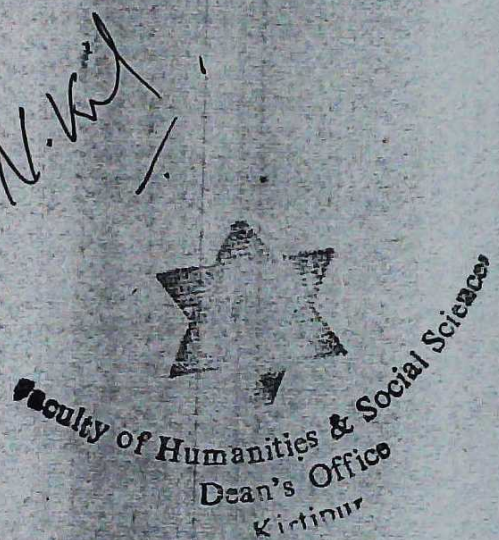
Faculty of Humanities & Social Sciences
Dean's Office